तापमान

भोपाल	33.2°	23.5°
इंदौर	39.3°	24.6°
जबलपुर	42.2°	29.7°
ग्वालियर	45.0°	30.2°

दैनिक
नईदुनिया

भोपाल एवं सागर से एकसाथ प्रकाशित

वर्ष- 78
(भोपाल : वर्ष 39 अंक 187,पृष्ठ 12)
बुधवार 5 जून 2024
राजधानी संस्करण
कीमतः 3:00 रुपये

राजधानी... भाजपा प्रत्याशी आलोक शर्मा 501499 मतों से...

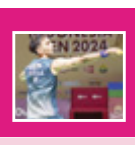
खेल... केंटा को हरा लक्ष्य सेन इंडोनेशिया ओपन के दूसरे दौर में...

व्यापार... दो हजार के 97.82 प्रतिशत नोट बैंकों में लौटे...

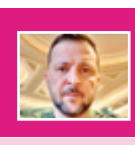
देश-विदेश... फिलीपींस पहुंचे जेलेंस्की, बोले- चीन जैसा देश...

www.naiduniaonline.com

लगातार तीसरी बार एनडीए को जनादेश

» मध्यप्रदेश, दिल्ली, हिमाचल, उत्तराखंड और अरूणांचल में भाजपा ने किया क्लीन स्विप » कांग्रेसनीत गणबंधन को भी अप्रत्याशित सफलता

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव में सभी सीटों के रूझान आने के बाद किसी भी अकेले दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला है हालाकि सत्तारूढ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को 293 सीटें मिल रही हैं, भारतीय जनता पार्टी को अपने कुछ मजबूत राज्यों में तगड़ा झटका लगा है लेकिन वह 240 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी है वहीं कांग्रेस पिछले दो लोकसभा चुनाव की तुलना में बेहतर प्रदर्शन करते हुए 99 सीटों पर बढत हासिल करती दिख रही है। इंडिया को 203 सीटें मिलने की उम्मीद है। मध्यप्रदेश, दिल्ली, हिमाचल, उत्तराखंड और अरूणांचल में भाजपा ने क्लीन स्विप किया।

विधानसभा चुनावों के रूझानों में राजग बड़ा उलट फेर करते हुए आंध्र प्रदेश और ओड़िशा में स्पष्ट बहुमत हांसिल करती दिख रही है। आंध्र प्रदेश में राजग के घटक दल तेलुगु देशम पार्टी (तेदपा) ने 173 में से 133 सीटों पर निर्णायक बढत बना ली है जबकि राज्य में सत्तारूढ वाईएसआर कांग्रेस को केवल 14 सीटों पर बढत है। तेदेपा की सहयोगी भाजपा को सात और जनसेना पार्टी को 21 सीटें मिलती दिख रही हैं। ओड़िशा में 147 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा ने 79 सीटों के साथ सत्ता में आने का दावा पुख्ता कर लिया है। वहीं दशकों से सत्तारूढ बीजू जनता दल को केवल 51 सीटों पर बढत मिल रही है। कांग्रेस 15 और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी एक सीट पर आगे है। लोकसभा की 543 में से अब तक चार सीटों के परिणाम घोषित हो चुके हैं जिनमें से भाजपा को तीन और कांग्रेस को एक सीट मिली है। भाजपा 237 तथा कांग्रेस 98 सीटों पर आगे चल रही हैं। समाजवादी पार्टी तीसरी सबसे बडी पार्टी बनकर उभरी है और वह 36 सीटों पर आगे चल रही है। तृणमूल कांग्रेस 30 पर, द्रमुक 21, तेदेपा 16, जद यू 14 , शिव सेना (उद्धव ठाकरे) 11 , राकांपा (शरद पवार) 7 और लोकजन शक्ति (रामविलास) 5, शिव सेना (शिंदे)5 और वाई एस आर कांग्रेस चार सीटों पर आगे हैं।

मध्य प्रदेश में भी पार्टी सभी 29 सीटों पर कब्जा किया। पार्टी राजधानी दिल्ली की सभी सातों, उत्तराखंड की सभी पांच और हिमाचल प्रदेश की सभी चार सीटों पर भी पांच सीटें, हरियाणा में भी भाजपा को नुकसान होता दिख रहा है और वह पिछली बार की दस सीटों की तुलना में पांच सीटों पर आगे है जबकि कांग्रेस भी पांच सीट पर बढत बनाये हुए है।इंदौर में बीजेपी उम्मीदवार शंकर सिंह लालवानी ने 10 लाख से अधिक वोटों से जीत हासिल की है। दरअसल, इंदौर की सीट पर कांग्रेस उम्मीदवार का पर्चा खारिज हो गया था। यहां नोटा को सबसे अधिक वोट मिले हैं। उत्तर प्रदेश में राम मंदिर की लहर पर सवार होकर 70 से अधिक सीटें जीतने वाली भाजपा को करारा झटका लगा है और पार्टी पिछली बार की 62 सीटों की तुलना में पार्टी केवल 34 सीटों पर बढत बना पाई है। एक बड़े और अप्रत्याशित उलट फेर में समाजवादी पार्टी 35 और कांग्रेस 7 सीटों पर आगे चल रही हैं। राजग की सहयोगी राष्ट्रीय लोकदल दो और अपना दल एक सीट पर बढत बनाये हुए है। बहुजन समाज पार्टी अभी तक किसी भी सीट पर बढत नहीं बना पाई है जबकि आजाद समाज पार्टी के दलित नेता चंद्रशेखर आजाद नगीना सीट पर आगे है। भाजपा को अपनी सत्ता वाले राजस्थान में भी नुकसान होता दिख रहा है और राज्य की 25 सीटों में से उसे 14 पर बढत हासिल है। पिछले चुनाव में पार्टी ने सभी 25 सीटों पर जीत दर्ज की थी। इस बार कांग्रेस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए आठ सीट पर बढत बना रखी है । माकपा , राष्ट्रीय लोतांत्रिक पार्टी तथा भारत आदिवासी पार्टी एक एक सीट पर आगे है।

महाराष्ट्र में शिव सेना (शिंदे) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के साथ मिलकर चुनाव लड़ रही भाजपा का प्रदर्शन आशा के अनुरूप नहीं दिख रहा है। राज्य में भाजपा 12, शिव सेना (शिंदे) 6 और राकांपा एक सीट पर आगे है। कांग्रेस 11, शिव सेना (उद्धव ठाकरे) 10 , राकांपा शरद पवार 7 सीट पर आगे है जबकि एक सीट पर निर्दलीय उम्मीदवार आगे है। बिहार में कुल 40 सीटें हैं और यहां भी भाजपा का प्रदर्शन बहुत शानदार नहीं दिख रहा। राज्य में भाजपा 12, जद यू 14, लोजपा (रामविलास) 5, राजद 4 , कांग्रेस दो , माकपा माले दो और हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा एक सीट पर आगे है। भाजपा के लिए बेहद महत्वपूर्ण माने जा रहे पश्चिम बंगाल में भी पार्टी का प्रदर्शन उसके दावों के अनुरूप नहीं रहा। पार्टी राज्य की 42 सीटों में से केवल 12 सीटों पर आगे है जबकि सत्तारूढ तृणमूल कांग्रेस 29 सीटों पर बढत बनाये हुए है। कांग्रेस केवल एक सीट पर आगे है।

कांग्रेस शासित कर्नाटक में भाजपा ने कुछ हद तक अच्छा प्रदर्शन किया है और राज्य की 28 सीटों में से वह एक सीट जीतकर 15 पर आगे चल रही है। भाजपा की सहयोगी जद एस दो सीटों पर आगे है। कांग्रेस दस सीटों पर बढत बनाये हुए है। भाजपा के सहयागी जद एस के प्रज्जवल रेवन्ना को हसन सीट से हार का सामना करना पड़ा है। छत्तीसगढ में पार्टी का शानदार प्रदर्शन है और वह राज्य की 11 में से दस सीटों पर आगे है।

राज्यों की स्थिति

उत्तर प्रदेश (80 सीट)		
इंडिया	एनडीए	अन्य
44	33	1
महाराष्ट्र (48 सीट)		
इंडिया	एनडीए	अन्य
30	17	1
पश्चिम बंगाल (42 सीट)		
टीएमसी	भाजपा	कांग्रेस
30	11	1
बिहार (40 सीट)		
एनडीए	इंडिया	अन्य
30	09	1
तमिलनाडु (39 सीट)		
डीएमके	भाजपा	अन्य
30	00	00
मध्यप्रदेश (29 सीट)		
भाजपा	कांग्रेस	अन्य
29	00	00
कर्नाटक (28 सीट)		
एनडीए	कांग्रेस	अन्य
19	09	00
राजस्थान (25 सीट)		
भाजपा	इंडिया	अन्य
14	11	00
दिल्ली (07 सीट)		
भाजपा	कांग्रेस	अन्य
07	00	00
गुजरात (26 सीट)		
भाजपा	कांग्रेस	अन्य
25	01	00

मध्यप्रदेश में भाजपा की सभी सीटों पर जीत के बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को मिठाई खिलाते प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा।

दलीय स्थिति कुल (543/543)

पार्टी	आगे	जीते	कुल
एनडीए	43	250	293
इंडिया	50	153	203
अन्य	11	07	18

चुनावी नतीजों के बाद बोले प्रधानमंत्री मोदी

हम भारतीय मिलकर चलेंगे देश को आगे बढ़ाएंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि तीसरी बार एनडीए सरकार बनने जा रही है। मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि राजग की तीसरी बार सरकार बननी तय है, भाजपा और राजग में पूर्ण विश्वास के लिए लोगों का आभार। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि यह लोकतंत्र और संविधान में भरोसे की जीत है।

उन्होंने कहा कि हर भारतीय को हमारी चुनाव प्रणाली और उसकी विश्वसनीयता पर गर्व है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि 1962 के बाद पहली बार कोई सरकार अपना दो कार्यकाल पूरा करने के बाद लगातार तीसरी बार सत्ता में आई है। मोदी ने कहा कि 10 वर्ष पहले देश ने बदलाव के लिए हमें जनादेश दिया था। वो समय था, जब देश निराशा की गर्त में डूब चुका था। हमें Fragile Five जैसे शब्दों से नवाजा जाता था, हर दिन अखबारों की हेडलाइन घोटालों से भरी रहती थीं, देश की युवा पीढ़ी अपने भविष्य को लेकर आशंकित हो गई थी। तब देश ने हमें निराशा के गहरे सागर से आशा के मोती निकालने का जिम्मा सौंपा था। हम सभी ने पूरी ईमानदारी से प्रयास किया, काम किया। उन्होंने कहा कि 2019 में इसी प्रयास पर विश्वास व्यक्त करते हुए देश ने दोबारा प्रचंड जनादेश दिया। इसके बाद एनडीए का दूसरा कार्यकाल विकास और विरासत की गारंटी बन गया। 2024 में इसी गारंटी के साथ हम जन-जन का आशीर्वाद लेने देश के कोने-कोने में गए। आज तीसरी बार जो आशीर्वाद एनडीए को मिला है, मैं उसके सामने विनय भाव से नतमस्तक हूं। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज का यह पल, (शेष पेज 2 पर)

यह प्रधानमंत्री के विकसित भारत के विजन में विश्वास की जीत : शाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पोस्ट में लिखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए को लगातार तीसरी बार सेवा का मौका देने के लिए देश की जनता को कोटि-कोटि नमन करता हूँ। लगातार तीसरी जीत ने यह स्पष्ट कर दिया है कि जनता का विश्वास सिर्फ और सिर्फ मोदी जी के साथ है। उन्होंने कहा कि एनडीए की यह विजय देश के लिए अपना जीवन खपा देने वाले नेता नरेंद्र मोदी में जन-जन के अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है। शाह ने आगे लिखा कि यह मोदी जी के विकसित भारत के विजन पर जनता-जनार्दन का विश्वासमत है। यह जन आशीर्वाद मोदी जी के बीते एक दशक के गरीब कल्याण, विरासतों के पुनरोत्थान, महिलाओं के स्वाभिमान व किसान कल्याण के कार्यों की सफलता का आशीष है। नया भारत इस जनादेश के साथ विकास यात्रा को और गति और शक्ति देने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि एनडीए की यह जीत, बीते 10 सालों में मोदी जी ने जिस तरह देश के गरीबों, महिलाओं, पिछड़ों, वंचितों और युवाओं के सपनों को साकार करने के लिए पुरुषार्थ किया है, उसके लिए जनता का आशीर्वाद है। इस जीत (शेष पेज 2 पर)

जेल में बंद खालिस्तान कट्टरपंथी अमृतपाल सिंह ने कांग्रेस उम्मीदवार को हराया

जेल में बंद अमृतपाल सिंह ने जीत हासिल कर ली है। कट्टरपंथी सिख उपदेशक अमृतपाल सिंह खडूर साहिब निर्वाचन क्षेत्र से जीत गए है। लोकसभा चुनाव 2024 में अमृतपाल सिंह ने निर्दलीय रूप से चुनाव लड़ा था। इस चुनाव में अमृतपाल सिंह जेल में बंद रहते हुए ही चुनाव लड़ा और अपनी किस्मत आजमाई थी। वारिस पंजाब दे संगठन के प्रमुख अमृतपाल वर्तमान में राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत असम की डिब्रूगढ़ जेल में बंद हैं। वहीं चुनाव आयोग की वेबसाइट के अनुसार चुनाव आयोग के अनुसार, कट्टरपंथी सिख उपदेशक अमृतपाल सिंह ने कांग्रेस के कुलबीर सिंह जीरा को हराकर खडूर साहिब सीट से जीत हासिल की। अमृतपाल सिंह जिन्होंने निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा था, 1,97,120 मतों के अंतर से जीते। वह वारिस पंजाब दे संगठन का प्रमुख है और वर्तमान में राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत असम की डिब्रूगढ़ जेल में बंद है। पंजाब की 13 लोकसभा सीटों के लिए मतगणना कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच सुबह आठ बजे शुरू हो गई।

इंदौर सीट पर नोटा ने बनाया कीर्तिमान,शंकर ललवानी 11 लाख से अधिक मतों से जीते

भोपाल (काप्र)। लोकसभा चुनाव के लिए मंगलवार को मतगणना जारी रहने के बीच मध्य प्रदेश की इंदौर सीट पर 2.18 लाख मतदाताओं ने नोटा (इनमें से कोई नहीं) विकल्प चुना जो एक नया कीर्तिमान है। कुल मतदाताओं में से 14.01 प्रतिशत ने नोटा का विकल्प चुना। भाजपा प्रत्याशी शंकर ललवानी ने 11 लाख 75 हजार मतों से जीत दर्ज की। इससे पहले 2019 के आम चुनावों में, बिहार के गोपालगंज क्षेत्र के 51,660 मतदाताओं (पांच प्रतिशत) ने नोटा विकल्प चुनकर कीर्तिमान बनाया था। निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर दोपहर बाद 3.15 बजे उपलब्ध ताजा आंकड़ों के अनुसार, कुल मतदाताओं में से 4.62 लाख (0.99 प्रतिशत) ने नोटा का विकल्प चुना। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता एवं मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विदिशा संसदीय क्षेत्र से अपने निकटतम प्रतिद्वंदी कांग्रेस के प्रतापभानु शर्मा को आठ लाख से अधिक मतों से पराजित कर इस सीट पर पार्टी का कब्जा बरकरार रखा। श्री चौहान दो दशक से अधिक समय बाद संसद में पहुंच रहे हैं। श्री चौहान ने दस लाख 93 हजार से अधिक वोट हासिल किए, जबकि उनके प्रतिद्वंदी श्री शर्मा को दो लाख 88 हजार वोट पर ही संतुष्ट होना पड़ा। देश में 18वीं लोकसभा चुनाव के लिए मध्यप्रदेश की अजजा आरक्षित खरगोन लोकसभा सीट पर भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी ने लगातार दूसरी बार जीत दर्ज की है तो वहीं उनकी पार्टी ने इस सीट पर जीत का चौका लगाया है । हालांकि बीजेपी प्रत्याशी गजेन्द्र पटेल साल 2019 के चुनाव में करीब 2 लाख 2 हजार वोटों से जीते थे, जोकि इस बार महज 1 लाख 34 हजार 513 वोट के अंतर से अपनी कुर्सी बचाये रखने (शेष पेज 2 पर)

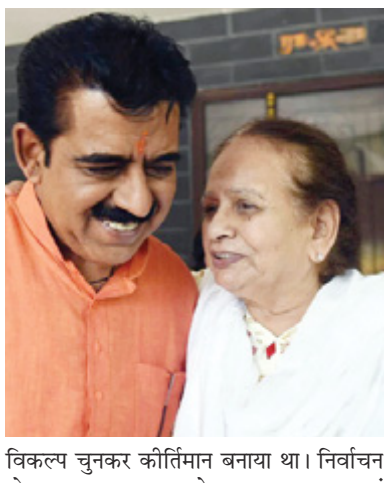

भोपाल समेत कई जिलों में हुई बारिश

भोपाल(काप्र)। मध्यप्रदेश में भीषण गर्मी के बीच लोगों को राहत मिली है। प्री-मानसून के चलते प्रदेश की राजधानी भोपाल समेत कई शहरों में दोपहर बाद तेज हवाओं के साथ बारिश हुई, जिससे तापमान में गिरावट आई है। वहीं, छतरपुर के बिजावर और निवाड़ी का पृथ्वीपुर सबसे गर्म रहा। बिजावर में तापमान 45.8 और निवाड़ी में 45.5 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विभाग के सीनियर वैज्ञानिक वेद प्रकाश सिंह ने बताया कि केरल में एक दिन पहले दस्तक देने के बाद मानसून तेजी से आगे बढ़ रहा है।

सुबह 11 बजे मोदी कैबिनेट की बड़ी बैठक राष्ट्रपति को सौंप सकते हैं इस्तीफा

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के नतीजों में बीजेपी बहुमत से काफी पीछे रह गई। एनडीए भी उस तरह से प्रदर्शन नहीं कर पाया जिस तरह की उम्मीद की जा रह थी। कल सुबह कैबिनेट की बड़ी बैठक हो सकती है।

मीटिंग के अंदर ये तय किया जाएगा कि नरेंद्र मोदी अंतरिम सरकार के प्रधानमंत्री के पद से इस्तीफा देंगे। फिर राष्ट्रपति को इस्तीफा सौंपने के बाद नई सरकार बनाने का अपना दावा पेश करेंगे। बीजेपी के बहुमत के आंकड़े को पार नहीं कर पाने की स्थिति में अब गठबंधन के भरोसे सरकार चलानी होगी।

चुनाव परिणाम के बाद पीएम मोदी ने ट्वीट करते हुए कहा कि जनता ने लगातार तीसरी बार एनडीए पर भरोसा जताया है! यह भारत के इतिहास में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। मैं इस स्नेह के लिए जनता जनार्दन को नमन करता हूं और उन्हें विश्वास दिलाता हूं कि हम जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए पिछले दशक में किए गए अच्छे कार्यों को जारी रखेंगे।

मैं अमेठी के लोगों की सेवा में लगी रहूंगी:स्मृति

अमेठी (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी का हार के बाद पहला बयान सामने आया है। उन्होंने प्रेस किशोरी लाल शर्मा को जीत की बधाई दी है। साथ ही कहा कि मैं अमेठी के लोगों की सेवा में लगी रहूंगी। उन्होंने उत्तर प्रदेश की अमेठी लोकसभा सीट से भाजपा की उम्मीदवार स्मृति ईरानी ने कहा कि मैं भाजपा पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं और समर्थकों का आभार व्यक्त करती हूं, जिन्होंने पूरी लगन और निष्ठा के साथ इस क्षेत्र और पार्टी की सेवा में काम किया है, आज मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की आभारी हूं।

जनादेश मोदी के खिलाफ, यह उनकी नैतिक हार : खड़गे

नई दिल्ली (एजेंसी)। सभा चुनाव के नतीजे पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आज संवाददाता सम्मेलन में इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हार बताया है। कांग्रेस कार्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यह जनता का चुनाव था। जनता ने नरेंद्र मोदी को पूरी तरीके से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि यह जनादेश मोदी के खिलाफ है। यह नरेंद्र मोदी की नैतिक हार है। उन्होंने दावा किया कि राहुल गांधी की दोनों यात्राएं यानी कि भारत जोड़ो यात्रा और भारत छोड़ो न्याय यात्रा पूरी तरीके से सफल हुआ। इसके साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव के दौरान हमें परेशान किया गया लेकिन हम हमेशा सकारात्मक मुद्दों पर अड़े रहे। उन्होंने कहा कि संवैधानिक संस्थाओं पर भाजपा ने कब्जा करने की कोशिश की। इस दौरान खड़गे ने राहुल गांधी सोनिया गांधी प्रियंका गांधी जैसे तमाम पार्टी के नेताओं का धन्यवाद किया। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा है कि इस चुनाव में देश के जनादेश ने साफ कर दिया है कि अब उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह नहीं चाहिए। श्री गांधी ने पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि यह लड़ाई संविधान को बचाने की थी। यह बात वह तब ही समझ गए थे, जब सरकार ने कांग्रेस के बैंक अकाउंट सील किए, मुख्यमंत्री को जेल में डाला तब मेरे दिमाग में यह बात स्पष्ट हो गयी थी कि अब हिंदुस्तान की जनता संविधान की रक्षा के लिए मिलकर लड़ेगी और मेरा यह पुख्ता भरोसा आज सही साबित हुआ है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नेताओं ने संविधान को बचाने के लिए सबसे बड़ा कदम उठाया। इसके तहत कांग्रेस पार्टी ने इंडिया समूह के नेताओं को साथ लिया और जहां भी गठबंधन लड़ा ,वहां सबने मिलकर चुनाव लड़ा और देश को एक नया (शेष पेज 2 पर)

स्पेशल खबर *शेयर बाजार में चौतरफा बिकवाली...*

निवेशकों के डूबे 31 लाख करोड़ रुपए

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय शेयर बाजार के लिए मंगलवार का कारोबारी सत्र नुकसान वाला रहा। लोकसभा चुनाव के रुझान एग्जिट पोल के अनुरूप नहीं आने के कारण बाजार में चौतरफा गिरावट देखने को मिली और निवेशकों के एक कारोबारी सत्र में 31 लाख करोड़ रुपये डूब गए।

बीएसई का मुख्य सूचकांक सेंसेक्स 4,389 अंक या 5.74 प्रतिशत गिरकर 72,079 अंक और एनएसई का मुख्य सूचकांक निफ्टी 1,379 अंक या 5.93

प्रतिशत फिसलकर 21,884 अंक पर बंद हुआ। मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में बड़ी बिकवाली हुई है। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 4,202 अंक या 7.88 प्रतिशत की गिरावट के साथ 49,150 अंक और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 1,406 अंक या 8.23 प्रतिशत की गिरावट के साथ 15,692 अंक पर बंद हुआ है। गिरावट का सबसे ज्यादा असर सरकारी बैंकों, मेटल, एनर्जी, रियल्टी और इंफ्रा इंडेक्स में देखा गया। यह 15 प्रतिशत तक की गिरावट के साथ बंद हुए हैं। एफएमसीजी इंडेक्स ही केवल हरे निशान में बंद हुआ है। इसमें करीब एक प्रतिशत की तेजी थी। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का मार्केट कैप करीब 30 लाख करोड़ रुपये कम होकर 396 लाख करोड़ रुपये रह गया है, जो कि पहले 426 लाख करोड़ (शेष पेज 2 पर)